तू रोम रोम में मेरे सांसो में समाया बाबोसा भजन लिरिक्स

तू रोम रोम में मेरे,
सांसो में समाया,
ओ बाबोसा में तेरे,
ख्वाबो में खोया रे,
मैं तेरी प्रीत में पागल,
दिल मे तुझे बसाया,
मैं तुझे पुकारू बाबा,
तू क्यों नही आया रे।bd।

तर्ज – तू नज्म नज्म सा मेरे।

तेरे नाम से मेरी,
सांसे चल रही है,
तेरी एक कमी मुझे,
रोज खल रही है,
दुनिया को छोड़ तुमसे,
प्रीत निभाई,
फिर क्यों न तुमको मेरी,
याद ना आई,
याद ना आई,
मैंने जिन्दगी का मालिक,
तुझको ही बनाया,
तू साथ हमेशा रहना,
बनकर साया रे,
मैं तेरी प्रीत में पागल,
दिल मे तुझे बसाया,
मैं तुझे पुकारू बाबा,
तू क्यों नही आया रे।bd।

मेरे दिल में ओ 'दिलबर',
तू आके समाजा,
एक बार तो आजा,
मुझे अपना समझकर बाबा,
तू गले लगाजा रे,
'अनुष्का' 'अधिस्ठा' की,
सुनलो ओ बाबोसा,
मैं छोड़ के झूठी दुनिया,
तेरी शरण में आया रे,
मैं पाने तेरा प्यार,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तेरे पास में आया रे,
मैं तेरी प्रीत में पागल,
दिल मे तुझे बसाया,
मैं तुझे पुकारू बाबा,
तू क्यों नही आया रे।bd।

तू रोम रोम में मेरे,
सांसो में समाया,
ओ बाबोसा में तेरे,
ख्वाबो में खोया रे,
मैं तेरी प्रीत में पागल,
दिल मे तुझे बसाया,
मैं तुझे पुकारू बाबा,
तू क्यों नही आया रे।bd।

लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
नागदा जक्शन म.प्र.
9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com